ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218
PP. No.- 142-144
ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- III, Issues-29, YEAR- July-Sept.-2023

सैदपुर एक प्रादेशिक सेवा केन्द्र की भूमिका में– एक प्रादेशिक नगरीय अध्ययन

1. डॉ0 विजय श्रीवास्तव
2. डॉ0 जी0 एस0 लाल

1. असि0 प्रोफेसर– समाजशास्त्र, मूलचन्द पी०जी० कालेज, होलीपुर–गाजीपुर, 2. शिक्षक श्री सम्मान प्राप्त, शोध निदेशक, भूगोलवेता, पूर्व विभागाध्यक्ष– भूगोल, पूर्व प्राचार्य रा० पी० जी० कालेज, उत्तर प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा तथा उत्तराखण्ड, नई सड़क– सैदपुर– गाजीपुर (उ0प्र0), भारत

Received-26.08.2023, Revised-02.09.2023, Accepted-07.09.2023 E-mail: aaryvart2013@gmail.com

सारांश: ***सैदपुर नगर नई सेवाओं की दृष्टि से एक प्रमुख सेवा केन्द्र के रूप में स्थापित है। यह गंगा नदी के बाये तरफ वाराणसी गाजीपुर के मध्य में 40 वर्ग किमी चेत्रफल पर लगभग 50000 आबादी स्थित है। सेवा केन्द्र के रूप में नगर से ग्रामीण अंचल तथा प्रभाव क्षेत्र आमलैण्ड को 12 चर बिन्दु पर आधारित सेवा का अध्ययन किया गया है। उसी प्रकार 12 चर बिन्दु आधारित सेवा ग्रामीण प्रभाव क्षेत्र से नगर सैदपुर को भी प्राप्त होती है। तकनीकों संचार, मोबाईल, स्मार्टफोन, हवाई जहाज से दूर दराज नगरों में अब पहुचना आसान हो गया है, परिवहन यातायात वृद्धियों से आवागमन तथ सामानों का आदान–प्रदान सुलभ हो गया है। नगरी करण के विकास के चलते उच्च प्रशासनिक केन्द्र जनपद कार्यालय का होना या नगर का जिला मुख्यालय बनने की सम्भवना से इन्कार नही किया जा सकता है।***

कुंजीभूत शब्द– ग्रामीण अंचल, आमलैण्ड, स्मार्टफोन, परिवहन, यातायात, आवागमन, प्रशासनिक केन्द्र, विचारधीन, आकलन।

अध्ययन क्षेत्र– सैदपुर की भौगोलिक स्थिति वाराणसी से गाजीपुर हाईवे सड़क पर मध्य में 40 कि०मी० की दूरी पर दोनों जिला मुख्यालयों से है। 35° डिग्री उत्तरी अक्षांस तथा 80° डिग्री पूर्वी देशान्तर की रेखायें इसे काटती है। उसका लगभग क्षेत्रफल वर्तमान में 40 वर्ग कि०मी० यॉनि लम्बाई पश्चिम से पूरब 10 किमी तथा चौड़ाई 4 किमी तक आदर्श नगर पंचायत की पड़ती है। उसे बढ़ाये जाने का प्रस्ताव विचाराधीन है। जनसंख्या लगभग 50000 है, यह एक महिला प्रधान समाज का नगर है। नगर 15 वार्डो में विभाजित है। सभासदों की राय से अध्यक्ष नगर पंचायत के क्रिया–कलापो का संचालन किया जाता है।

नगर का फैलाव उत्तर पूरब तथा पश्चिम दिशा में सम्भव है, किन्तु दक्षिण दिशा में गंगा नदी के कारण विस्तार नही हो सकता है, नदी पर पक्का पुल 1997 में बनने से गंगापार के गांवो तथा लोगों का आना व जाना, व्यापारिक कार्यों की पूर्णता होती है। इस सेवा केन्द्र का प्रभाव दक्षिण चहनियां बाजार तथा पाश्वर्ती गांवों तक होती है। उत्तर में नगर का प्रभाव क्षेत्र फिलहाल 10 किमी तक आसानी से तथा पश्चिम में औरिहार, खानपुर द.प. में सिधौना कैथी तक तथा पूरब दिशा में होलीपुर तक सम्भव प्रतीत होता है।

विषय समस्या– सैदपुर नगर की सेवा प्रभाव पहले क्या था और अब क्या है और भविष्य में क्या सम्भव है, विषय समस्या का विवेचन करना है तथा कौन से कारकों का प्रभाव सेवा केन्द्र पर पड़ता है या पड़ सकता है, को उजागर करना लक्ष्य है। उसमें प्रकृति तथा मानव की क्रियायें गतिशील है परिवहन, संचार, साधनों, किराया दूरी, ग्राहको की चाहत मांग नगर से तथा नगर में गांवों से सामान भेजना का आकलन आवश्यक है। किसी भी सेवा केन्द्र पर TWO WAY traffic नीति आवश्यक है आगमन यातायात साधनों का जाल बिछा हुआ है तथा नगर से अब हाइवे गुजर रहा है तथा हाइवे के दोनों तरफ दुकाने, व्यापारिक केन्द्रों, आवासीय तथा रेस्टोरेन्ट का प्राविधान हो रहा है। भविष्य में कारीडोर भी निर्मित हो सकता है। मूलस्वरूप, प्रकृति, मिट्टी तथा जल उपलब्ध है तथा मानव क्रियाशील है उसकी क्रियायें बढ़ रही है जो सेवा केन्द्र की प्रमुखता में योगदान दे रही है।

विधितंत्र तथा मानक का चयन– शहरीकरण तथा विस्तार पर वाराणसी का नगरीय अध्ययन प्रो. आर. एल. सिंह द्वारा प्रस्तुत है जिसमें आम लैण्ड AUM Land प्रभाव क्षेत्र का उल्लेख प्रमुखता से किया गया है उन्होने 5 Variables रो संचार, तकनीकी ज्ञान, प्रकार, परिवर्तन आदि के कारणों से सेवा केन्द्र पर प्रभाव अधिक हुआ है और आमलैण्ड प्रभाव क्षेत्र भी बढ़ गया है और सेवाओं की संख्या में वृद्धि हो हुयी है। निम्न मानकों का प्रयोग शोध पत्र में किया गया है।

1. सेन्सस आकड़ों का एकत्रीकरण
2. फील्ड में आकड़ों का संकलन
3. साक्षात्कार
4. अवलोकन
5. छायाप्रति
6. स्थानीय स्थलीय निरीक्षण
7. प्रश्नावली
8. अंनुसूची
9. बढ़ती सेवाओं की संख्या बाहर जाने वाली
10. ग्रामीण अंचल से नगर में वाली सेवाओं की संख्या
11. प्रतिदिन, मासिक, वार्षिक गतिविधि विश्लेषण
12. आख्या तथा शोध पत्र तैयार करना।

सेवाओं तथ्यों का विश्लेषण– Analysis of Service and facts- सेवा को सुविधानुसार दो भागों में बाटा जा सकता, प्रथम नगर के बाहर जाने वाली सेवायें तथा दूसरा बाहर से आने वाली नगर में सुविधायें।

A. नगर से बाहर जाने वाली सुविधायें– प्रो०आर. एल. सिंह ने बनारस के नगरीय अध्ययन में निम्न सेवा Variables माना है।

अनुरूपी लेखक/संयुक्त लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- III, Issues-29, YEAR- July-Sept.-2023

1. अखबार की पूर्ति,
2. दवा कि पूर्ति,
3. शिक्षा स्थलीय सेवायें,
4. होल सेल तथा रीटेल व्यापार की सुविधायें,
5. परिवहन की सुविधायें ।

जो प्रमुख रुप से नगर से बाहर को सुविधायें दी जाती रही है, किंतु संचार, स्मार्ट फोन, तकनीकी ज्ञान, डिजीटल सेवायें, शौख की सुविधायें नगर में होने से से अपना प्रभाव क्षेत्र दूर स्तर अंचलों में बनाती है जहा यहा से 10 किमी की थी, आज 40 किमी तक होती है। उक्त के अलावा उन सुविधाओं की संस्था में प्रभाव क्षेत्र की दूरी में वृद्धि हुयी है।

1. अखबार की सेवा– सैदपुर नगर से अखबार की सेवा ब्लाक के भीतरी सभी स्थानों जैसे–कैथी, सिधौना, बिहारीगंज, खानपुर बेलहरी अनौनी, ददरा, पोखरा, सौना, मौधा, नायकडीह, कूढा भुवरपुर, जीयापुर, मेहनाजपुर, मेहनगर, तरवां, बौरवां सादात, जखनियां, दुल्लहपुर, देवकली. करण्डा, गौरी, तेतारपुर, आदि स्थानों की सेवा अक्सर भी इस नगर में उपलब्ध है।

2. परिवहन की सेवा– नगर से ब्लाक के तथा देवकली, करण्डा, आदि, पूरी तरह आच्छादित है। बसों से आना–जाना, ट्रकों से समानों की पहुँच तथा कार, मोटर साइकिल, साइकिल एवं अन्य परिवहन सेवायें 24 घन्टें उपलब्ध है।

3. दवा चिकित्सा की सुविधा– नगर सैदपुर से दूर–दराज के स्थानों पर दवा की पूर्ति की जाती है। और जगह–जगह छोटे–छोटे भी खुल गये तथा विशेष स्थिति में नगर को लोगों को चिकित्सा हेतु आना पड़ता है। दवा की सुविधा कैथी, सिधौना, औड़िहार, खानपुर, अनौनी, पोखरा, मौधा, सौना, नायकडीह, भुवरपुर, उचौरी, भीमापार, माहपुर, सादात आदि स्थानों पर हो गयी है। आकस्मिक स्थिति में नगर आना पड़ता है अथवा नहीं।

4. शिक्षा की सुविधा– अन्य ब्लाक में इन्टर तक की शिक्षा सिधौना, खानपुर, अनौनी, पोखरा, सौना, मौधा, भुवरपुर, उचौरी, भीमापार, बौरवां, माहपुर, सादात तक हो गयी है। डिग्री स्तर की सुविधा नगर सैदपुर, सिधौना, करमपुर, सौना, भुवरपुर, भीमापार, सादात, ककरही, होलीपुर और अन्य स्थानों पर सुलभ है जहा पर स्नातक कक्षायें चलती है, वहा शोध की भी सुविधा उपलब्ध है ।

5. व्यापार की सुविधा– नगर से विकास खण्ड में प्रमुख स्थानों पर व्यापार, दुकाने तथा रोजगार है और उनकी आवश्यकता का सामान नगर से प्राप्त हो जाता है।

6. संचार जनसूचना की सेवा– यह नगर में प्रमुख रुप से है किन्तु इसकी सहायता अन्य स्थानों पर भी अब सुलभ है और नगर उन्हें इस में निर्देश देता रहता है।

7. आवश्यक सामानों चीनी अन्य तथा विशेष सभी इत्यादि उन देहातों में सामानों, अन्य तथा सब्जियों की कमी होती है, तो नगर उन स्थानों को यह सब भेजा जाता है। इस हेतु यातायात वाहन की सुविधा है।

8. राजनैतिक सेवा– यद्यपि हर गांव में उन राजिनित पंचायत प्रभाव के कारण बढ़ गयी है, पर विशेष अवसर पर बड़े नेता के भाषण की सेवाये नगर से की जाती है।

9. सामाजिक सेवायें– विकास खण्ड तथा तहसील होने से प्राथमिक सेवायें सरकारी माध्यम से उपलब्ध करायी जाती है, दूर स्थानों पर।

10. हवाई एयर पोर्ट की सुविधा– बातवपुर हवाई अड्डा से दिल्ली बम्बई तथा बड़ें नगर लगे हैं, वहाँ से सामान आकर सैदपुर नगर सेवा केन्द्र पर पहुंचते हैं और वह सामान व्यापार, तकनीक में बिजली तथा दशा से ग्रामीण अंचलों तक पहुँचाया जाता है। नगर इस रूप में सैदपुर सेवा केन्द्र है जिससे सेवायें उपलब्ध है।

ग्रामीण अंचलों, प्रभाव क्षेत्रों या आमलैन्ड से नगर सैदपुर में आने वाली सेवायें– सैदपुर नगर के पाश्वर्ती ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिदिन अनेक सामाग्री सैदपुर में आती है और निम्न सेवाओं से नगर के लोग प्रभावित होते है।

1. दूध, पनीर, खोआ, दही, छाछ आदि पदार्थों की पूर्ति ग्रामीण अंचलों से 20 किमी की दूरी नगर में आता है जैसे सिधौना, पटना, औरिहार, खानपुर, मौधा, सौना, अनौनी, उचौरी, भीमापार, माहपुर, बौरवां, सेहमलपुर, सहिचना, रस्तीपुर, ककरही, मुडियार, रावल, होलीपुर, तथा देवकली से नगर में प्रतिदिन आता है जो किसान व्यापारी लाते है तब नगर के लोगों में इसकी खपत होती है। और यहां की सेवाये भी ले जाते है।

2. सब्जी, फल तथा अन्य की सेवा– 20 किमी दूरी से यानी प्रभाव क्षेत्र से प्रतिदिन अनेक प्रकार की सब्जियां अन्य में गेंहु, चावल, उड़द मूंग, अरहर की दाले तथा चना मटर भी नगर में लोग गांवों से आते है और नगर में बेचते है। सब्जियों में प्याज, आलू, नेनुआ, लौकी, कटहल सनेपुतिया, करैला, टिंडा, पालक, मेथी, चौराई का साग आदि तथा फल में आम, अमरूद, केला, गाजर, मूली, अदरक, धनिया आदि मुख्य है। यह सब उन्ही स्थानों से आते है जहाँ से दूध आता है। इनकी आपूर्ति प्रतिदिन होती है। परिवहन के साधन तथा नीजी साधनों का उपयोग किया जाता है।

3. लकड़ी, घास तथा पत्तियों से निर्मित सामाग्री– जलाउ लकड़ी, आम, महुआ, लिटोरा, नीम, जंगली झाड़ियों नगर के जानवरों जैसे गाय, भैंस, घोड़ा, बकरी आदि हेतु तरह–तरह के घासें नगर में पाश्वर्ती गावों से आती है। पेड़ की पत्तियों से बने दोने, पत्तल, थाली, सादे पत्ते पंख की नगर के नगर की दुकानों हेतु आपूर्ति किये जाते है। यह प्रभाव क्षेत्र 5 किमी तक का है। लकड़ी, घास, पत्ते से डब्बे भी बनाये जाते है, जो दुकानों पर प्रयुक्त होते है। इसका प्रभाव क्षेत्र मात्र 2 से 5 किमी का है।

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- III, Issues-29, YEAR- July-Sept.-2023

4. गुड़, राब, गन्ना, आदि की आपूर्ति गुड़, राव, गन्ना की आपूर्ति गावों से तथा घर के माध्यम से नगर में आती है और इसकी खपत नगर में होती है। यह रोज नहीं, बल्कि पीरीआडिक हाट द्वारा होती है। गन्ना की आपूर्ति मौसम में रोज होती है।

5. जड़ी–बूटी तथा हर्बल सामग्री– कुछ रावों से जड़ी–बूटी तथा हर्बल की सामाग्री होती है, इसे नगर में भेजा जाता है जैसे भीमापार, सिधौना तथा मौधा मुख्य गांव है, इसका प्रसार समिति है।

6. मिट्टी मिट्टी का बर्तन, लकड़ी का बर्तन– प्रजापति तथा विश्वकर्मा के पुस्तैनी धे आन्तरिक गांवों में है, जहां मिट्टी के बर्तन यथा हांडी, पतुरी हंडा, गमरी, कुण्डा आदि बर्तन बनाये जाते है पूरवा, सुराही, ढकन, दीया सब सामाग्री नगर में गांवों से आती है। मिट्टी तथा जैविक खाद भी नगर में ग्रामीण अंचल से आती है।

7. नर्सरी से पेड़ पौधों का विवरण– पाश्वर्ती स्थानों पर तैयार किये जाते है जिसकी सेवायें दोनों तरफ से होती है। परिवहन तथा वाहन सुलभ है।

8. प्राथमिक सेवायें हेतु नगर में लोगों का आवागमन– नगर सैदपुर में तहसील, विकास खण्ड, अस्पताल, उच्च शिक्षा, रजिस्ट्री नगर पालिका तथा अनेक कार्यालय स्थापित है, जहां के लोग आते, अपना कार्य करते कराते है एवज में मूल्य समान में एवं परिवहन का खर्च नगर को अदा करते है और वापसी में नगर से जरुरतों के सामान गावों को ले जाते है। ग्रामीण अंचल से आने पर नगर का दबाव रोज बढ़ता है। किन्तु इसके खर्च सेवा के दुकानों, कर्मचारियां एवं किसी को लाभ भी होता है।

9. ग्रामीण कारीगरो तथा श्रमिको की सेवा– कारीगर, मिस्त्री तथा श्रमिकों की अपूर्ति नगर के लिए वरदान है। यह कार्य आवास निर्माण का नगर में बराबर चलता है।

10. खाद जैविक, फूल आपूर्ति– आदि की आपूर्ति गावों से जौविक खाद, फूल आदि की आपूर्ति नगर में होती है। जिसका उपयोग नगर आवास से संलग्न किचन गार्डन में किया जाता है, जिससे सजावट, रौनक आदि होती है।

11. श्रमिक, सोखा, धार्मिक तथा अन्य द्वारा सेवा– क्षेत्र में अन्य विश्वास, पूजा–पाठ कर्मकाण्ड तथा भूतप्रेत की रोकथाम उत्पादि की सेवा–भाव केस साथ नगर में की जाती है। यह कार्य श्रमिक, सोरबा तथा कर्मकाण्डी लोग करते है। इसका प्रचलन क्षेत्र में है।

12. जजमानी, यक्ष, हवन की सेवा– यह कार्य सेवा पंडितों, ब्राहमणों द्वारा किया जाता है, जो गांव से शहर में आक सेवा देते है, यज्ञ, मूर्ति पूजा, जाप, देवताओं की कथा तथा देवियों की कथा शंकर, हनुमान, विष्णु लक्ष्मी, दुर्गा, काली, मरी, शीतला माता का पूजन आदि कार्य सम्पन्न होता है। गांवों से यह सेवा नगर के लोगों को मिलती है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. श्रीवास्तव, विजय, 2017: सामाजिक– आकास्मिक परिस्थितिकी का अध्ययन– तहसील सैदपुर पर आधारित विवेचन पी०एच०डी० पूवांचल वि० वि० जौनपुर
2. वही ibid, 2008 : socio-Ecogogical Aspectest of Tahsil Saidpur, Ghazipur, A study, Inside Journl. chandauli. chandauli, Vol-3, No. 3 PP 51-57.
3. वही ibid, 2011 : Environmental impacts on Rural Settlem settlement and Society in saidpur Block, Ghazipur," Sodh Drishti VAHS Vol-2, no. 3 April-June, PP 359-63. A Refered Journal.
4. वही ibid, 2012 : Delineating Homogenous Socio-Eco. Zones in Tehsil Saidpur, Ghazipur, 1UP, Anukriti - Reference Journal Vol. 2, No. 7, PP 299-302.
5. वही ibid, 2013 : Socio-Ecological Analysis at Houses and House the holds in Tehsil Saidpur Ghazipur Anukriti-A Refered journal Vol. 3 No. 1 Jan-march PP 117-119.
6. Srivastava, V & Lal, GS 2021 : implications of Global warming - A Geo-Social study and Analysis, Anukriti-A Refered Journal Vol-2 No. 7 July pp 149-150.
7. Dependene on Solar Energy in India- A Case Study of U.P. 2021 ; Sodh dristi- A Refered Journal Vol-112, No. 101 PP 103-104.
8. Srivastava, V& Lal G.S.- 2022 : Sodh Dristi- A Refered Journal vol - 13, No. 22, PP 89-92. Impact of climatic change on people and occupation in saidpur Block, Ghazipur U.P.
9. ibid, V& Lal G.S.- 2022 : Sonker's of Saidpur Town and Envirous- A Geo- Social Study Gyan Dayami Samaj Sodh Patrika, GDSSP. Ballia, Sukhpura Vol-2 No.11 PP 212- 13.

*****